वनियिामकीय सैंडबॉक्स के लयि व्यापक रूपरेखा

प्रलिम्सि के लयि:

भारतीय रज़िर्व बैंक, वनियिामकीय सैंडबॉक्स, डजिटिल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधनियिम, 2023, फनिटेक

मेन्स के लयि:

नए वत्तिीय नवाचारों के जोखमिों के आकलन में वनियिामकीय सैंडबॉक्स का महत्त्व।

स्रोत: बज़िनेस स्टैण्डर्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रज़िर्व बैंक ने वनियिामकीय सैंडबॉक्स के वभिनि्न चरणों को पूरा करने की समय-सीमा को पछिले 7 महीनों से बढ़ाकर **9 महीने** कर दयिा है।

- वनियिामकीय सैंडबॉक्स के लयि अद्यतन ढाँचे में डजिटिल व्यक्तगित डेटा संरक्षण अधनियिम, 2023 के प्रावधानों का अनुपालन सुनश्चिति करने हेतु सैंडबॉक्स संस्थाओं की भी आवश्यकता होती है।

वनियिामकीय सैंडबॉक्स (RS) क्या है?

- **पृष्ठभूमि:**
    - भारतीय रज़िर्व बैंक ने फनिटेक के वसि्तृत पहलुओं के साथ उसके **नहितिार्थों की नगिरानी करने एवं रपिोर्ट करने हेतु वर्ष 2016 में एक अंतर-नयिामक कार्य समूह की स्थापना** की, ताक िनयिामक ढाँचे की समीक्षा की जा सके और साथ ही **तेज़ी से वकिसति हो रहे फनिटेक परदिृश्य की गतशिीलता** पर प्रतक्रियिा दी जा सके।
    - रपिोर्ट में एक अच्छी तरह से परभिाषति स्थान और अवध िके भीतर एक **वनियिामकीय सैंडबॉक्स** के लयि एक उपयुक्त ढाँचे को प्रस्तुत करने की सफिारशि की गई है, जहाँ वत्तिीय क्षेत्र नयिामक दक्षता बढ़ाने, जोखमिों का प्रबंधन करने तथा उपभोक्ताओं के लयि नए अवसर सृजति करने हेतु आवश्यक नयिामक मार्गदर्शन प्रदान करेगा।
- **परचिय:**
    - **वनियिामकीय सैंडबॉक्स** एक **नयिंत्रति नयिामक वातावरण में नए उत्पादों अथवा सेवाओं के प्रत्यक्ष रूप से हुए परीक्षण को संदर्भति** करता है जसिके लयि नयिामक परीक्षण के सीमति उद्देश्य हेतु कुछ नयिामक छूट की अनुमत िदे भी सकते हैं और नहीं भी।
    - वनियिामकीय सैंडबॉक्स एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है जो **अधकि गतशिील, साक्ष्य-आधारति नयिामक वातावरण** को सक्षम बनाता है जो **उभरती प्रौद्योगकियिों से सीखते हुए उनके साथ-साथ वकिसति** होता है।
    - यह **वनियिामक, वत्तिीय सेवा प्रदाताओं और ग्राहकों** को उनके जोखमिों की नगिरानी तथा नयिंत्रण करते हुए नए वत्तिीय नवाचारों के लाभों एवं जोखमिों पर साक्ष्य एकत्र करने के लयि क्षेत्र परीक्षण करने में सक्षम बनाता है।
- **उद्देश्य:**
    - **वनियिामकीय सैंडबॉक्स** का उद्देश्य **वत्तिीय सेवाओं में उत्तरदायी नवाचार को बढ़ावा देकर दक्षता को प्रोत्साहन प्रदान करना** और **उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाना** है।
    - यह वनियिामक को संबद्ध पारतिंत्र के साथ जुड़ने और **नवाचार-सक्षम अथवा नवाचार-उत्तरदायी नयिमों** को वकिसति करने के लयि एक **संरचति अवसर** प्रदान कर सकता है जो **प्रासंगकि, अल्प लागत वाले वत्तिीय उत्पादों** की डलिीवरी की सुवधिा प्रदान करता है।
- **लक्षति आवेदक:**
    - वनियिामकीय सैंडबॉक्स में प्रवेश के लयि लक्षति आवेदकों में **फनिटेक, बैंक** और वत्तिीय सेवा **व्यवसायों** के साथ साझेदारी करने वाली अथवा उन्हें सहायता प्रदान करने वाली कंपनयिाँ शामलि हैं।

भारत में वनियिामकीय सैंडबॉक्स का अंगीकरण:

- **फिनटेक फोकस:** भारतीय रिज़र्व बैंक ने वर्ष 2019 में **पहला विनियामकीय सैंडबॉक्स** कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
    - यह RBI की देखरेख में **नियंत्रित वातावरण में नवीन वित्तीय उत्पादों और सेवाओं** के लाइव परीक्षण की सुविधा प्रदान करता है।
- **विषयगत कॉहोर्ट्स:** RBI सैंडबॉक्स विषयगत कॉहोर्ट्स के आधार पर संचालित होता है। प्रत्येक कॉहोर्ट **खुदरा भुगतान**, सीमा पारीय लेन-देन अथवा **MSME ऋण जैसे विशिष्ट क्षेत्र पर ध्यान** केंद्रित करता है।
    - **विनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधित प्रमुख घटक:**
        - **विनियामकीय सैंडबॉक्स कॉहोर्ट्स: वित्तीय समावेशन, भुगतान और ऋण, डिजिटल KYC** आदि पर ध्यान केंद्रित करने वाले विषयगत कॉहोर्ट्स पर आधारित।
        - **विनियामक छूट:** RBI द्वारा कुछ छूट प्रदान की जा सकती हैं जिनमें **चलनिधि आवश्यकताएँ, बोर्ड संरचना, वैधानिक प्रतिबंध** आदि शामिल हैं।
        - **विनियामकीय सैंडबॉक्स परीक्षण से अपवर्जन:** सांकेतिक नकारात्मक सूची में **क्रेडिट रजिस्ट्री, क्रिप्टोकरेंसी, प्रारंभिक सिक्का प्रस्ताव/पेशकश (Initial Coin Offerings)** आदि शामिल हैं।
- **टेलीकॉम सैंडबॉक्स:** सरकार ने **"मिलिनियम स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स"** पहल शुरू की। इसमें एक स्पेक्ट्रम रेगुलेटरी सैंडबॉक्स (SRS) और वायरलेस टेस्ट जोन (WiTe ज़ोन) शामिल हैं।
    - इन पहलों का उद्देश्य दूरसंचार **अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिये नियमों को सरल बनाना** और तकनीकी प्रगति के लिये नए स्पेक्ट्रम बैंड की खोज करना है।

विनियामकीय सैंडबॉक्स से संबंधित लाभ और चुनौतियाँ क्या हैं?

- **लाभ:**
    - **विनियामक अंतर्दृष्टि:** नियामक उभरती प्रौद्योगिकियों के **लाभों और जोखिमों तथा उनके निहितार्थ** पर प्रत्यक्ष अनुभवजन्य साक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे संभावित नियामक परिवर्तनों पर विचारशील दृष्टिकोण अपना सकें।
    - **वित्तीय प्रदाताओं के लिये समझ: मौजूदा वित्तीय सेवा प्रदाता अपनी समझ में सुधार कर सकते हैं कि नई वित्तीय प्रौद्योगिकियाँ कैसे काम कर सकती हैं, संभावित रूप से उन्हें अपनी व्यावसायिक योजनाओं के साथ ऐसी नई प्रौद्योगिकियों को उचित रूप से एकीकृत करने में मदद मिल सकती है।**
    - **लागत प्रभावी व्यवहार्यता परीक्षण:** RS के उपयोगकर्त्ताओं के पास बड़े और अधिक महँगे रोल-आउट की आवश्यकता के बिना उत्पाद की व्यवहार्यता का परीक्षण करने की क्षमता है।
    - **वित्तीय समावेशन क्षमता: फिनटेक ऐसे समाधान प्रदान करते हैं जो संभावित रूप से महत्त्वपूर्ण तरीके से वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ा सकते हैं।**
    - नवप्रवर्तन के लिये महत्त्वपूर्ण क्षेत्र: जिन क्षेत्रों को संभावित रूप से RS से बल मिल सकता है उनमें माइक्रोफाइनेंस, संभावित रूप से नवीन लघु बचत, प्रेषण, मोबाइल बैंकिंग और अन्य डिजिटल भुगतान शामिल हैं।
- **चुनौतियाँ:**
    - **लचीलापन और समय की कमी:** नवप्रवर्तकों को सैंडबॉक्स प्रक्रिया के दौरान लचीलेपन और समय के साथ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे संभावित रूप से अनुकूलन तथा **त्वरित पुनरावृत्ति** करने की उनकी क्षमता प्रभावित हो सकती है।
    - **केस-दर-केस प्राधिकरण:** व्यक्तिगत आधार पर अनुकूलित प्राधिकरण और नियामक छूट हासिल करना एक लंबी प्रक्रिया हो सकती है, जिसमें अक्सर व्यक्तिपरक मूल्यांकन शामिल होता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रयोग में देरी हो सकती है।
    - **कानूनी छूट पर सीमाएँ: RBI या उसका नियामक सैंडबॉक्स** कानूनी छूट की पेशकश नहीं कर सकता है, जो प्रयोग करते समय **कानूनी जोखिमों को कम करने की चाह रखने वाले नवप्रवर्तकों** को सीमित कर सकता है।
    - **सैंडबॉक्स के बाद विनियामक स्वीकृतियाँ:** सफल सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद भी, **प्रयोगकर्त्ताओं को अपने उत्पाद, सेवाओं या प्रौद्योगिकी** को व्यापक अनुप्रयोग के लिये अनुमति देने से पहले **नियामक अनुमोदन की आवश्यकता** हो सकती है, जिससे संभावित रूप से बाज़ार में आने का समय बढ़ सकता है।

आगे की राह

- नवप्रवर्तकों पर समय और प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिये सैंडबॉक्स प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम करें। इसमें आवेदन प्रक्रियाओं को सरल बनाना और भागीदारी के लिये स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान करना शामिल हो सकता है।
- निर्णय लेने के लिये **स्पष्ट मानदंड प्रदान करके और यह सुनिश्चित करके कि निर्णय लगातार** तथा निष्पक्ष रूप से किये जाएँ, **मामले-दर-मामले प्राधिकरण प्रक्रिया** में पारदर्शिता बढ़ाएँ।
- सैंडबॉक्स में भाग लेने वाले **नवप्रवर्तकों के लिये व्यापक शिक्षा और सहायता प्रदान** करें, जिसमें **नियामक आवश्यकताओं तथा संभावित कानूनी मुद्दों** पर मार्गदर्शन शामिल है।
- प्रयोग के दौरान उत्पन्न होने वाले कानूनी मुद्दों, जैसे उपभोक्ता हानि, के समाधान के लिये रूपरेखा विकसित करने हेतु कानूनी विशेषज्ञों के साथ सहयोग करें। इसमें नवाचार को प्रोत्साहित करते हुए उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिये सुरक्षा उपायों को लागू करना शामिल हो सकता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिये कि **सफल प्रयोग तेज़ी से व्यापक अनुप्रयोग के लिये आगे बढ़ सकें,** सैंडबॉक्स परीक्षण के बाद विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करें। इसमें सिद्ध नवाचारों हेतु फास्ट-ट्रैक अनुमोदन तंत्र स्थापित करना शामिल हो सकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰:

प्रश्न. भारत के संदर्भ में नम्निलखिति पर वचिार कीजयि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव को गोद लेना

उपर्युक्त में से कसि भारत में "वत्तिीय समावेशन" प्राप्त करने के लयि उठाया गया कदम माना जा सकता है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/comprehensive-framework-for-a-regulatory-sandbox